जनता विद्या मन्दिर गणपतराय रासीवासिया महाविद्यालय,

चरखी दादरी

(सम्बद्ध– चौ0 बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी)

वार्षिक प्रतिवेदन

31वाँ दीक्षान्त समारोह

14 मार्च, 2024

Principal
J.V.M.G.R.R. College
Charkhi Dadri

जनता विद्या मन्दिर गणपतराय रासीवासिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चरखी दादरी के 31वें दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि श्री रामचन्द्र जांगड़ा जी, माननीय सांसद,राज्यसभा, विशिष्ट अतिथि श्री राजेश 'चेतन' जी, कवि एवं मोटिवेशनल स्पीकर, समारोह के अध्यक्ष, प्रोफेसर (डॉ.) राजकुमार मित्तल जी, कुलपति, चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी, प्रख्यात राजनीतिक विश्लेषक एवं स्तम्भकार प्रोफेसर (डॉ.) संगीत रागी जी, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, श्री पवन गुप्ता जी, अध्यक्ष, प्रबन्धन समिति, श्री अशोक गोयल जी, उप–प्रधान, प्रबन्धन समिति, श्री राधेश्याम ऐरण जी, महासचिव, प्रबन्धन समिति, श्री सुरेश अग्रवाल जी, कोषाध्यक्ष, डॉ. यशवीर सिंह जी, प्राचार्य, जनता महाविद्यालय एवं महाविद्यालय प्रबन्धन समिति, दादरी एजुकेशन सोसायटी के समस्त सम्मानित सदस्यगण, अतिथिगण, प्रेस के सम्मानित सदस्य, समस्त महाविद्यालय परिवार, अभिभावकगण, छात्र–छात्राओं एवं उपस्थित मातृशक्ति, मैं आज महाविद्यालय के 31वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत करते हुए गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूँ।

प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी एवं विद्यानुरागी श्री रामकृष्ण गुप्ता जी ने सन् 1965–66 में 189 छात्रों के साथ इस महाविद्यालय रूपी जिस पौधे को लगाया था, वह आज एक विशाल वट–वृक्ष का रूप धारण कर चुका है। दस कमरों के साथ स्थापित होने वाला महाविद्यालय आज चालीस कमरों, 13 प्रयोगशालाओं, एक स्मार्ट क्लास रूम, सेमिनार हॉल, आधुनिक तकनीक से युक्त एक शानदार सभागार, स्टेडियम व इनडोर खेलशाला के साथ एक भव्य भवन के रूप में परिवर्तित हो चुका है। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के विद्यार्थियों में सम्प्रेषण कौशल (Communication Skill) विकास हेतु आधुनिक तकनीक से युक्त एक भाषा सम्प्रेषण प्रयोगशाला (Language Lab) भी स्थापित की गई है। महाविद्यालय का हरा–भरा सुन्दर परिसर सभी प्रकार की शैक्षणिक एवं खेल सुविधाओं से परिपूर्ण है, जिसमें विज्ञान, वाणिज्य, बी.वॉक, एम.वॉक, एम.एल.टी- (MLT) और बी.एस.सी. (एक्च्यूरियल साइंस)तथा कला संकायों के लगभग 2100 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। महाविद्यालय में एम.ए. ग्रामीण विकास, भूगोल, गणित, राजनीति विज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी एवं इतिहास के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी सुचारू रूप से गतिमान हैं।

महाविद्यालय में 100 से भी अधिक शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी वर्ग अपनी पूरी निष्ठा और लग्न से महाविद्यालय की निरंतर उन्नति एवं चहुँमुखी विकास में प्रयासरत हैं। इसका प्रमाण यह है कि विगत लगभग 59 वर्षों में अनेक मेधावी छात्र–छात्राएँ यहाँ से शिक्षा ग्रहण कर विविध क्षेत्रों में उच्च पदों पर आसीन हैं।

पुस्तकालय एवं वाचनालय :–

महाविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त पूर्ण रूप से कम्प्यूटरीकृत एक विशाल पुस्तकालय है, जिसमें विविध विषयों से संबद्ध लगभग 47 हजार पुस्तकें हैं। विद्यार्थियों की सुविधा हेतु नेटवर्क रिसोर्स सेंटर व फोटोस्टेट मशीन भी उपलब्ध है। ई–पुस्तकालय की भी सुविधा है, जिसमें 2 लाख ई–बुक्स (E-Books) व 2500 ई–जरनल्स (E-Journals) पढ़े जा सकते हैं। लगभग 30–35 पत्र–पत्रिकाएँ विद्यार्थियों के लिए प्रतिदिन उपलब्ध होती हैं।

Principal
J.V.M.G.R.R. College
Charkhi Dadri

पत्रिका :–

विद्यार्थियों में सृजनात्मकता एवं अभिव्यक्ति पक्ष को मजबूती प्रदान करने हेतु महाविद्यालय पत्रिका 'श्याम–सर' का वार्षिक प्रकाशन किया जाता है, जिसमें अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, विज्ञान, Planning Forum आदि अनुभागों में अपने लेख प्रकाशित करवाने हेतु विद्यार्थियों में अकसर होड़ लगी रहती है।

विविध समितियाँ :–

विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने हेतु महाविद्यालय द्वारा अनेक समितियों का गठन किया गया है, जिनमें विद्यार्थी अपनी सहभागिता दर्ज कर अपनी प्रतिभा एवं व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं और अपना ज्ञानवर्धन कर सकते हैं। ये समितियाँ वर्ष भर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं जिनमें विद्यार्थी बढ़–चढ़कर प्रतिभागिता करते हैं। इन समितियों में निम्नोक्त समितियाँ विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनी रहती हैं :–

1. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
2. Women Cell
3. Legal Literacy Cell
4. Cultural Cell
5. ST/SC/OBC/Minority Cell
6. Anti Ragging Committee
7. Prevention of Sexual Harassment Cell
8. Discipline Committee
9. Student Grievances and Redressal Cell आदि।

महाविद्यालय में बिजली–आपूर्ति हेतु दो बड़े जनरेटर स्थापित हैं, जिसके फलस्वरूप परिसर में 24 घंटे बिजली की सुविधा उपलब्ध रहती है। महाविद्यालय परिसर में असामाजिक तत्त्वों का प्रवेश रोकने के लिए मुख्य द्वार पर पहचान–पत्र के साथ प्रवेश की व्यवस्था के साथ–साथ 30 से अधिक सी.सी.टी.वी. कैमरे भी लगाए गए हैं।

अन्य सुविधाएँ :–

विद्यार्थियों के लिए शीतल जल की आपूर्ति हेतु महाविद्यालय में Chiller-Cum-RO Plant एवं परिसर के विभिन्न स्थलों पर 8 RO-Cum-Water Cooler की व्यवस्था की गई है।

विशिष्ट उपलब्धियाँ :–

महाविद्यालय के विद्वान् प्राध्यापकगण शिक्षण कार्यों के साथ–साथ शोध–कार्यों में भी विशेष रुचि रखते हैं। सत्र के दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापक वर्ग द्वारा 18 राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। महाविद्यालय के 6 प्राध्यापकों के 15 शोध–पत्र राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। महाविद्यालय के 4 प्राध्यापकों ने 'फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम' (FDP) तथा Short-term Course में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज की। महाविद्यालय की एक प्राध्यापिका की एक पुस्तक सत्र के दौरान प्रकाशित हुई तथा डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. दीपक ढिल्लो, डॉ. ममता यादव व डॉ. तरसेम ने विद्यावाचस्पति (Ph.D) की उपाधि प्राप्त की। महाविद्यालय के प्राध्यापक न केवल

Principal
J.V.M.G.R.R. College
Charkhi Dadri

शोधकार्य कर रहे हैं बल्कि शोध का मूल्याकंन भी कर रहे हैं अपितु उनके स्वयं के कार्य पर भी शोध हो रहे हैं। हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. हेमलता शर्मा के काव्य–संग्रह 'बिलख रही संवेदना' पर महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय से एम.फिल की एक छात्रा शोध–कार्य कर रही है।

महाविद्यालय के छः प्राध्यापकों डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. समीना, डॉ.नीना बंसल, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. जयवीर सिंह तथा डॉ. जितेन्द्र को चौ0 बंसीलाल विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ स्टडीज का सदस्य मनोनीत किया गया है। महाविद्यालय के 12 प्राध्यापकों का चयन विश्वविद्यालय द्वारा विविध कक्षाओं के लिए प्रश्न–पत्र बनाने हेतु किया गया है तथा कुछ विद्वान साथियों को विषय विशेषज्ञ (Subject Expert) के रूप में भी मनोनीत किया गया है। महाविद्यालय के स्थायी प्राध्यापकों में से लगभग 65 प्रतिशत प्राध्यापक विद्यावाचस्पति (Ph.D) की उपाधि से अलंकृत हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यशवीर सिंह जी को 'हरियाणा इतिहास कांग्रेस' के अध्यक्ष के रूप में निरन्तर तीसरी बार चुना गया है। 'हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी' द्वारा प्रकाशित छठी से दसवीं की इतिहास की पाठ्यपुस्तकों के लेखक मण्डल में एक लेखक के रूप में इन्होंने कार्य किया है। 'राजस्थान इतिहास कांग्रेस' के जोधपुर में सम्पन्न हुए 37वें अधिवेशन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता एवं राजकीय महाविद्यालय, बूंदी में उच्चतर शिक्षा निदेशालय कार्यक्रम में वक्ता की भूमिका निभा चुके प्राचार्य जी के शोध–पत्र इतिहास कांग्रेस, राजस्थान एवं हरियाणा के अधिवेशनों में प्रस्तुत एवं प्रकाशनार्थ स्वीकृत हुए हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. भूपेन्द्र सिंह, चौ0 बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी में 'स्पोर्ट्स काउंसलिंग' के सदस्य के रूप में कार्य किया तथा विश्वविद्यालय के महिला एवं पुरुष वर्ग के एथलिटिक्स की चयन समिति में भी शामिल रहे।

महाविद्यालय के भूगोल एवं बॉटनी विभाग के विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी (Science Exhibition) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी (Science Quiz) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय ने प्रश्नोत्तरी एवं विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिनमें मुख्य रूप से 'पेपर रिडिंग, पोस्टर मेकिंग, कोलाज मेकिंग, अकाउंटिग और इन्कम टैक्स संबंधी प्रतियोगिताओं के साथ खेल उत्सव, स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत जागरूकता कार्यक्रम आदि प्रशंसनीय कार्य रहे।

इस महाविद्यालय एवं समस्त दादरी क्षेत्र के लिए गरिमा का विषय है कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में सदा अपना परचम लहराया है तथा महाविद्यालय के विधार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में विश्वविद्यालय मेरिट लिस्ट में अपना नाम अंकित करते रहे हैं। विगत वर्षों में महाविद्यालय के जिन विद्यार्थियों ने विभिन्न कक्षाओं में विश्वविद्यालय मेरिट सूची में अपना नाम दर्ज करवाया है। जो इस प्रकार हैः–

1. कविता, बी.ए, चौथा स्थान (2018–2021)
2. श्वेता, बी.ए, पंद्रहवां स्थान(2018–2021)
3. अदिति, बी.कॉम, ग्यारहवां स्थान (2018–2021)

Principal
J.V.M.G.R.R. College
Charkhi Dadri

4. पूनम, बी.एससी, नॉन मेडिकल, छठा स्थान (2018–2021)
5. भावना, बी.एससी, नॉन मेडिकल, ग्यारहवां स्थान (2018–2021)
6. दीपा, भट्ट, बी.कॉम, दूसरा स्थान (2019–2022)
7. खुशी सिंघल, बी.कॉम, चौथा स्थान (2019–2022)
8. चिराग गर्ग, बी.कॉम, पाँचवा स्थान (2019–2022)
9. काजल, बी.कॉम, आठवां स्थान (2019–2022)
10. चारू,बी.कॉम, बारहवां स्थान (2019–2022)
11. अन्नू ,बी.एससी, कम्प्यूटर विज्ञान, चौथा स्थान (2019–2022)
12. प्रवीण, बी.एससी, मेडिकल, नौवां स्थान (2019–2022)
13. पिंकी, बी.एससी, मेडिकल, तेरहवां स्थान (2019–2022)
14. आशु कुमारी, बी.एससी, नॉन मेडिकल, तेरहवां स्थान (2019–2022)
15. कामना, बी.ए, सातवां स्थान(2020–2023)
16. रवि कुमार, बी.ए, नौवां स्थान(2020–2023)
17. स्नेह लता, बी.ए, दसवां स्थान(2020–2023)
18. हिमांशी, बी.एससी, कम्प्यूटर विज्ञान, पांचवां स्थान (2020–2023)
19. दीक्षान्त सांगवान, बी.एससी, नॉन मेडिकल, चौथा स्थान (2020–2023)

सांस्कृतिक गतिविधियाँ :–

विद्यार्थियों में सांस्कृतिक अभिरुचि का विकास करने और उनके कलात्मक गुणों की अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने हेतु महाविद्यालय का सांस्कृतिक प्रकोष्ठ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुझे आप सभी के समक्ष यह बताते हुए असीम हर्ष की अनुभूति हो रही है कि यह महाविद्यालय प्रारंभ से ही सांस्कृतिक गतिविधियों में अग्रणी रहा है।

सत्र 2022–2023 में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अनेक उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। सत्र में 12 विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर 10 विद्याथियों ने विश्वविद्यालयी स्तर पर और 16 विद्यार्थियों ने अतंर महाविद्यालयी स्तर पर प्रथम तीन स्थान प्राप्त किए हैं और महाविद्यालय को ख्याति प्रदान की है। इसी सत्र में चौ0 बंसीलाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्वविद्यालयी स्तर के युवा समारोह में महाविद्यालय की माइम की टीम ने लगातार दूसरी बार प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने North West Inter University Zone में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

खेलकूद :–

जनता महाविद्यालय मात्र शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं वरन् खेलकूद प्रतिस्पर्धाओं में भी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर रहा है। सत्र 2022–2023 में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विविध स्पर्धाओं में अन्तः क्षेत्रीय एवं राज्य स्तरीय खेल स्पर्धाओं में 4 स्वर्ण पदक, 03 रजत पदक प्राप्त किए तथा 13 विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

सत्र 2023–2024 में विद्यार्थियों ने अन्तः क्षेत्रीय एवं राज्य स्तरीय विविध प्रतिस्पर्धाओं में 3 स्वर्ण पदक, 5 रजत पदक, 2 कांस्य पदक प्राप्त किए और 13 विद्यार्थियों ने विविध स्पर्धाओं में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। सत्र के दौरान एक विद्यार्थी ने राष्ट्रीय

Principal
J.V.M.G.R.R. College
Charkhi Dadri

Power Lifting प्रतिस्पर्धा में नया कीर्तिमान बनाते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर महाविद्यालय की गरिमा में संवर्धन किया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं युवा रेडक्रॉस :–

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दो पुरुष इकाइयाँ तथा एक महिला इकाई है, जो समाज के पिछड़े क्षेत्रों में अपनी सेवा द्वारा जागृति लाने के कार्य निरन्तर करती रहती हैं। इन इकाइयों से स्वयंसेवक समय–समय पर वृक्षारोपण, राष्ट्रीय आपदाओं और रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यक्रमों में अपना योगदान देते रहते हैं।

सत्र 2022–2023 में 6 श्रेष्ठ स्वयंसेवक तथा 2 श्रेष्ठ शिविरार्थी घोषित हुए। 17 स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय स्तर पर और 9 ने राज्य स्तर पर तथा 6 ने राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न स्पर्धाओं में स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों व युवा रैडक्रॉस इकाइयों को जिला रैडक्रास, चरखी दादरी द्वारा रक्तदान संचय में विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। महाविद्यालय में एन.सी.सी. की दो पुरुष यूनिट व एक महिला यूनिट है, जो सराहनीय कार्य कर रही हैं।

अंत में मैं कहूँगा कि महाविद्यालय निरन्तर प्रगति–पथ पर अग्रसर है। उत्तरोत्तर उत्कृष्टता एवं प्रदर्शन के लिए समस्त महाविद्यालय परिवार पूर्णतः प्रतिबद्धता के साथ अपना शत–प्रतिशत योगदान दे रहा है। नकलरहित परीक्षाओं का संचालन, अनुशासन तथा कर्त्तव्य के प्रति समर्पित कर्मचारी वर्ग इस परिसर को अग्रिम पंक्ति में रखने और विशिष्ट पहचान देने के लिए निरन्तर प्रयासरत हैं। मैं समस्त कर्मचारी वर्ग, प्रबन्धन समिति के समस्त सदस्यों, महाविद्यालय प्रशासन व क्षेत्र की प्रबुद्ध जनता का सहृदय आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सतत् सहयोग से ही हम रचनात्मक कार्यों को व्यावहारिक एवं वास्तविक रूप देने में सफल रहे हैं और मैं आशा करता हूँ कि हम इस क्षेत्र की भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के पथ–प्रदर्शन हेतु अपनी प्रतिबद्धता एवं उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते रहेंगे।

पुनः आप सबका आभार।
जय हिन्द, जय भारत।

Principal
J.V.M.G.R.R. College
Charkhi Dadri
प्राचार्य
डॉ. यशवीर सिंह

Principal
J.V.M.G.R.R. College
Charkhi Dadri